भा में की ओर ग्रामविकास अधिकारी ध्यान शेष | पेज 16 पर

हिंदी विवि में 2 व 3 अक्टूबर को साहित्यकारों का महाकुंभ

अज्ञेय, केदारनाथ, नागार्जुन, शमशेर व फैज अहमद फैज की जन्मशती पर होगा विचार-विमर्श, साहित्यकार प्रो. नामवर सिंह करेंगे शताब्दी श्रृंखला का उद्घाटन

जिला प्रतिनिधि | वर्धा

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा में 2 और 3 अक्टूबर को अज्ञेय, केदरनाथ, अग्रवाल, नागार्जुन, शमशेर, फैज अहमद फैज की जन्म शताब्दी तथा कवि रविंद्रनाथ टैगोर की डेढ़ सौ वीं जयंती के उपलक्ष्य में उनके साहित्य पर चिंतन-मनन करने के लिए साहित्यकारों का महाकुंभ होने जा रहा है। बीसवीं सदी का अर्थ और जन्मशती का संदर्भ विषय पर आयोजित समारोह के उद्घाटन अवसर पर प्रख्यात साहित्यकार प्रो. नामवर सिंह उद्घाटन वक्तव्य देंगे। प्रो. निर्मला जैन उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करेंगी। कुलपति विभूति नारायण राय स्वागत वक्तव्य देंगे तथा प्रतिकुलपति प्रो. ए. अरविंदाक्षन आभार व्यक्त करेंगे। साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. सूरज पालीवाल समारोह का संचालन करेंगे इस अवसर पर संग्रहालय की वेबसाइट का लोकार्पण किया जाएगा। अज्ञेय के साहित्य पर विचार-विमर्श करने के लिए आयोजित द्वितीय सत्र की अध्यक्षता साहित्यकार प्रो. गंगाप्रसाद विमल करेंगे। कोलकाता विश्वविद्यालय कोलकाता के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. शंभूनाथ मुख्य वक्ता के रूप में तथा सुरेंद्र वर्मा, प्रा. बलराम तिवारी, राजकिशोर, डा. विजय शर्मा, डा. रति सक्सेना, डा. मीता शर्मा, डा. कृपाशंकर चौबे, मनोज कुमार पाण्डेय, शशीभूषण बतौर वक्ता के रूप में उपस्थित रहेगे तथा डा. शंभू गुप्त संचालन करेंगे। कैदारनाथ अग्रवाल के साहित्य पर चिंतन के शेष | पेज 16 पर

हिंदी विवि में 2...

लिए आयोजित सत्र की अध्यक्षता प्रो. नित्यानंद तिवारी करेंगे। प्रो. खगेन्द्र ठाकुर बतौर मुख्य वक्ता के रूप में तथा प्रो. अजय तिवारी, अखिलेश, डा. वीणा वसंत त्रिपाठी, नरेंद्र पुण्डरिक , धीरेंद्र अस्थाना, विमल कुमार, बोधिसत्व वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय के महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र के प्रो. संतोष भदोरिया सत्र का संचालन करेंगे। 3 अक्टूबर को नागार्जुन के साहित्य पर चिंतन के लिए आयोजित सत्र की अध्यक्षता प्रो. केदानाथ सिंह करेंगे। प्रो. विजेंद्र नारायण सिंह बतौर मुख्य वक्ता तथा प्रो. गोपेश्वर सिंह, डा. नमिता सिंह, नीरज सिंह चौधरी, प्रो. के. के. सिंह, अवधेश मिश्र वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। कुमार सिंह सत्र का संचालन करेंगे। शमशेर की रचना पर विमर्श के लिए आयोजित सत्र की अध्यक्षता अरूण कमल तथा प्रो. रंजना अरगडे, प्रो. दुर्गा प्रसाद गुप्ता, प्रो. माधव सोनटक्के, दिनेश कुमार शुक्ल शशीकला राय, डा. विनोद तिवारी, डा. मीनाक्षी जोशी, उषा किरण खान बतौर वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर राकेश मिश्र सत्र का संचालन करेंगे। फैज अहमद के साहित्य पर विचार-विमर्श के लिये आयोजित सत्र की अध्यक्षता जाबिर हुसैन करेंगे। इस अवसर पर प्रो. काजी अब्दुल सत्तार, अली जावेद, शकील सिद्दीकी दिनेश कुशवाह, बतौर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय के विशेष कर्तव्याधिकारी राकेश सत्र का संचालन करेंगे। गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित शताब्दी श्रृखंला के दौरान संस्कृ ति संध्या कार्यक्रम में आमंत्रित कवियों का कविता पाठ तथा नागार्जुन की कविताओं पर नाट्य प्रस्तुति होगी। कुलपति विभूति नारायण राय ने बताया कि देश के एकमात्र अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय होने के कारण हमारा दायित्व है कि उच्च शिक्षा में शोधपूरक पठन-पाठन के अलावा अपने साहित्यीक पुरोधाओं की रचनाओं का पुनर्मूल्याकंन भी करें। शताब्दी समारोह का आयोजन अपने वरिष्ठ कवियों, साहित्यकारों का आज के संदर्भ में मूल्यांकन करने का प्रयास होगा। विश्वविद्यालय द्वारा देशभर में शताब्दी श्रृखंला आयोजित करने का उद्देश्य जनता के बीच जाकर समय के सापेक्ष उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना होगा। संगोष्ठी के संयोजक व साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. सूरज पालीवाल ने कहा कि यह संयोग है कि इस वर्ष कवि गुरु रवींद्रनाथ टैगोर की डेढ़ सौ वीं जयंती है। साथ ही नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल, शमशेर, अज्ञेय तथा उर्दू के शायर फैज अहमद फैज अहमद, फैज का जन्मशताब्दी वर्ष है। इन सौ वर्षों में इस महाद्वीप में जितनी बड़ी घटनाएं घटी उन्हें समझने के लिए हमें उन महान कवियों के पास जाना जरूरी है। 20 वीं शताब्दी बहुत उथल-पुथल वाली रही है। क्रांतिकारी परिवर्तनों की भी साक्षी रही है। उन मुद्दों पर विचार विमर्श करने तथा पूरी शताब्दी का आकलन करने के लिए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा की ओर से शताब्दी श्रृंखला का आयोजन किया जा रहा है। यह श्रृंखला देशभर में आयोजित की जाएगी। जिसकी शुरूआत गांधीजी की कर्मभूमि वर्धा से हो रही है। इस श्रृंखला का शुभारंभ प्रो. नामवर सिंह करेंगे। इस अवसर पर देशभर से करीब 40 कवि आलोचक, कथाकार, पत्रकार, चिंतक हिस्सा लेंगे।